

रीवा हवाई अड्डा

चर्चा में क्यों

हाल ही में मध्य प्रदेश के रीवा हवाई अड्डे को [नागरिक विमानन महानिदेशालय \(Directorate General of Civil Aviation DGCA\)](#) से परचालन लाइसेंस की मंजूरी मिली, जो क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बंदि

- रीवा के जुड़ने के साथ ही मध्य प्रदेश में अब **छह हवाई अड्डे** हो गए हैं, अन्य भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो में स्थिति हैं
 - रीवा अपने **सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों** के लिये जाना जाता है तथा हवाई अड्डा इन आकर्षणों को अधिक सुलभ बना देगा, जिससे संभवतः अधिक आगंतुक एवं व्यवसाय आकर्षित होंगे।
- इस हवाई अड्डे का विकास **प्रधानमंत्री के 'विकसति भारत-विकसति मध्य प्रदेश'** के **दृष्टिकोण** के अनुरूप है, जो यह सुनिश्चित करता है कि यह **वर्धित क्षेत्र** के विकास के लिये आधारशला बने।

विकसति भारत विकसति मध्य प्रदेश के अंतर्गत प्रमुख परियोजनाएँ

- सचिाई परियोजनाएँ:** ऊपरी **नर्मदा** परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना, बसनया बहुउद्देशीय परियोजना (5500 करोड़ रुपए)।
- सूक्ष्म सचिाई परियोजनाएँ:** पारसदोह सूक्ष्म सचिाई परियोजना, औलिया सूक्ष्म सचिाई परियोजना (800 करोड़ रुपए)।
- रेलवे परियोजनाएँ:** वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-जाखलौन मार्ग पर तीसरी लाइन परियोजनाएँ, गेज परिवर्तन परियोजना, पवारखेड़ा-जुझारपुर रेल लाइन फ्लाईओवर (2200 करोड़ रुपए)।
- औद्योगिक परियोजनाएँ:** सीतापुर में मेगा लेदर और फुटवियर क्लस्टर, इंदौर में गारमेंट इंडस्ट्री प्लग एंड प्ले पार्क, औद्योगिक पार्क मंदसौर, पीथमपुर औद्योगिक पार्क का उन्नयन (1000 करोड़ रुपए)।
- कोयला क्षेत्र की परियोजनाएँ:** जयंत OCP CHP साइलो, एनसीएल सगिरौली; दुधचिआ OCP CHP-साइलो (1000 करोड़ रुपए)।
- वर्धित क्षेत्र:** पन्ना, रायसेन, छदिवाड़ा और नर्मदापुरम जिलों में छह सबस्टेशन।
- जल आपूर्ति परियोजनाएँ:** विभिन्न **अमृत 2.0** परियोजनाएँ, खरगोन में जलापूर्ति वृद्धि (880 करोड़ रुपए)।
- साइबर तहसील परियोजना:** राजस्व अभिलेखों और बकिरी-खरीद अभिलेखों के उत्परिवर्तन में डिजिटल समाधान के लिये 55 जिलों में शुरू की गई।

नागरिक विमानन महानिदेशालय (DGCA)

- यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है।
- यह नागरिक विमानन के क्षेत्र में **नियामक संस्था** है जो मुख्य रूप से सुरक्षा मुद्दों से निपटती है।
- यह भारत के लिये/से/भारत के भीतर हवाई परिवहन सेवाओं के **वर्धित** और नागरिक हवाई वर्धित, हवाई सुरक्षा एवं उड्डान योग्यता मानकों के परिवर्तन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह **अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन** के साथ सभी वर्धित कार्यों का समन्वय भी करता है।